सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 16 SEPTEMBER TO 22 SEPTEMBER 2020 • VOLUME- 8 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

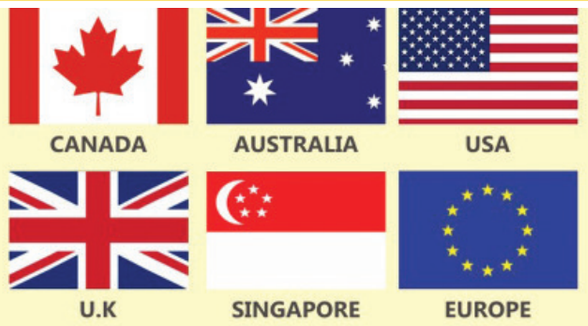

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

भारत-चीन सीमा विवाद

चीन ने स्टेटस बदलने का प्रयास किया, हमारे जवानों ने इसे असफल कर दिया-राजनाथ सिंह

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि सीमा विवाद एक गंभीर मुद्दा है. दोनों देश शांति पर सहमत हैं। शांतिपूर्ण बातचीत से ही हल निकलेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि चीन ने कई बार स्टेटस बदलने का प्रयास किया, हमारे जवानों ने इसे असफल कर दिया। गलवान घाटी में हुए संघर्ष में चीन को काफी नुकसान हुआ है।

किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे सुरक्षाबल हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं. हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं. उन्होंने कहा कि 15 जून को हमारे जवानों ने स्टेटस बदलने के प्रयास को असफल कर दिया। जवानों ने बदलिदान दिया है। चीन को भी भारी नुकसान हुआ. चीन की ये कोशिश हमें मंजूर नहीं है। दोनों देशों को LAC का सम्मान करना चाहिए.

भारी संख्या में जवान तैनात

राजनाथ सिंह ने बताया, चीन ने एलएसी और आंतरिक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सेना की तैनाती की है और हथियार इकट्ठा किए हैं. पूर्वी लद्दाख, गोगरा, कोंगका ला, पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण बैंकों में कई फ्रिक्शन प्वाइंट हैं. भारतीय सेना ने भी इन क्षेत्रों में भारी तैनाती की है। सिंह ने कहा कि हमारे जवानों का हौसला बुलंद है, इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए. राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख का दौरा कर हमारे जवानों से मुलाकात की. उन्होंने यह संदेश भी दिया था वह हमारे वीर जवानों के साथ खड़े हैं. मैंने भी लद्दाख जाकर अपने यूनिट के साथ समय बिताया था। जवानों का हौसला बढ़ाया। राजनाथ सिंह ने कहा, यह सदन अवगत है चाईना, भारत की लगभग 38,000 स्क्वायर किलोमीटर

भूमि का अनधिकृत कब्जा लद्दाख में किए हुए है। इसके अलावा, 1963 में एक तथाकथित बाउंडरी एग्रीमेंट के तहत, पाकिस्तान ने PoK की 5180 स्क्वायर किलोमीटर भारतीय जमीन अवैध रूप से चाईना को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि यह भी बताना चाहता हूं कि अभी तक भारत-चीन के बॉर्डर इलाके में कॉमनली डेलीनिएटिड LAC नहीं है और LAC को लेकर दोनों की धारणा अलग-अलग है. विपक्ष द्वारा इस मुद्दे पर चर्चा कराये जाने की मांग के बीच राजनाथ सिंह का यह बयान काफी महत्व रखता है। राजनाथ की हाल में मास्को में चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंगहे के साथ मुलाकात हुई थी। कुछ दिन पहले विदेश मंत्री जयशंकर की भी चीन के उनके समकक्ष वांग यी के साथ मुलाकात हुई थी।

पीएम मोदी ने दी सात विकास परियोजनाओं की सौगात, बोले-राष्ट्र निर्माण में बिहार का बड़ा योगदान

■ पटना/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को बिहार में शहरी अवसंरचना से जुड़ी सात महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहरी गरीबों, शहरों में रहने वाले मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन आसान बनाने वाली आज शुरु हुई नई परियोजनाओं के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुंगेर और जमालपुर में पानी की कमी को दूर करने वाली जलापूर्ति परियोजनाओं और मुजफ्फरपुर में नमामि गंगे के तहर रिवर फ्रंट डेवलेपमेंट स्कीम का भी आज शिलान्यास किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जिन चार योजनाओं का उद्घाटन हो रहा है उसमें पटना शहर के बेउर और करमलीचक में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के अलावा अमृत योजना के तहत सीवान और छपरा में पानी से जुड़े प्रोजेक्ट्स भी शामिल है।

राष्ट्र निर्माण में बिहार का बड़ा योगदान

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के काम में बहुत बड़ा योगदान बिहार का भी है। बिहार तो देश के विकास को नई ऊंचाई देने वाले लाखों इंजीनियर देता है। बिहार की धरती तो आविष्कार और इनोवेशन की पर्याय रही है। उन्होंने कहा कि बिहार ऐतिहासिक नगरों की धरती है। यहां हजारों सालों से नगरों की एक समृद्ध विरासत रही है। प्रचीन भारत में गंगा घाटी के इर्द-गिर्द आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध और सम्पन्न नगरों का विकास हुआ। उन्होंने कहा कि इसके बाद एक दौर ऐसा भी आया जब बिहार में मूल सुविधाओं के निर्माण के बजाय, राज्य के लोगों को आधुनिक सुविधाएं देने के बजाय, प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं पूरी तरह बदल गईं। नतीजा ये हुआ कि राज्य में गवर्नेंस से फोकस ही हट गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब शासन पर स्वार्थनीति हावी हो जाती है, वोटबैंक का तंत्र सिस्टम को दबाने लगता है, तो सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग को पड़ता है जो प्रताड़ति है, वंचित है, शोषित है। बिहार के लोगों ने इस दर्द को दशकों तक सहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बीते डेढ़ दशक से नीतीश जी, सुशील जी और उनकी टीम समाज के सबसे कमजोर वर्ग के आत्मविश्वास को लौटाने का प्रयास कर रही है। जिस प्रकार बेटियों की पढ़ाई को, पंचायती राज सहित स्थानीय निकाय में वंचित, शोषित समाज की भागीदारी को प्राथमिकता दी गई है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि अब केंद्र और बिहार सरकार के साझा प्रयासों से बिहार के शहरों में पीने के पानी और सीवर जैसी मूल सुविधाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। मिशन अमृत और राज्य सरकार की योजनाओं के तहत बिहार के शहरी क्षेत्र में लाखों परिवारों को पानी की सुविधा से जोड़ा गया है।

देशभर में 2 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन दिए गए

सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 1 साल में जल जीवन मिशन के तहत पूरे देश में 2 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन दिए जा चुके हैं। आज देश में हर दिन 1 लाख से ज्यादा घरों को पाइप से पानी के नए कनेक्शन से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि शहरीकरण आज के दौर की सच्चाई है। लेकिन कई दशकों से हमारी एक मानसिकता बन गई थी, हमने ये मान लिया था जैसे कि शहरीकरण खुद में कोई समस्या है, कोई बाधा है। लेकिन मेरा ऐसा मानना नहीं है। अगर कोई समस्या लगती है तो उसमें अवसर भी होता है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों का तो गंगा जी से बहुत ही गहरा नाता है। गंगा जल की स्वच्छता का सीधा प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है। गंगा जी की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए ही बिहार में 6 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि गंगा जी को निर्मल और अविरल बनाने का अभियान जैसे-जैसे आगे बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे इसमें पर्यटन के आधुनिक आयाम भी जुड़ते जा रहे हैं। बिहार सहित पूरे देश में 180 से अधिक घाटों के निर्माण का काम चल रहा है। इसमें से 130 घाट पूरे भी हो चुके हैं।

फिल्म इंडस्ट्री को बदनाम करने की हो रही साजिश-जया बच्चन

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

संसद के मॉनसून सत्र का आज दूसरा दिन है। कोरोना संकट के दौर में हो रहे संसद के सत्र में आज पहले राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई। ऊपरी सदन की कार्यवाही सुबह 9 बजे से 1 बजे तक चलेगी तो वहीं आज लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे शुरू होगी, जो 7 बजे तक जारी रहेगी। राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने फिल्म इंडस्ट्री को बदनाम करने की कथित साजिश को लेकर राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया।

तृणमूल कांग्रेस सांसद शांतनु सेन ने कम्युनिटी स्प्रेड ऑफ COVID-19 को लेकर राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया। डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने NEET परीक्षा आयोजित करने पर छात्रों द्वारा आत्महत्या करने को लेकर राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया। ऊपरी सदन में सपा सांसद जया बच्चन ने बॉलीवुड इंडस्ट्री का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस जगत को बदनाम करने की साजिश हो रही है और को सरकार हमारे समर्थन में आना चाहिए। जिन लोगों ने फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम बनाया है उन्होंने इसे गटर बुलाया, मैं पूरी तरह इससे असहमत हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि सरकार इन लोगों को बताए जिन्होंने इससे अपना नाम और प्रसिद्धि कमाई कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना बंद करें। जया बच्चन ने कहा कि मैं बहुत शर्मिंदा थी कि कल हमारे एक सांसद ने लोकसभा में फिल्म इंडस्ट्री के खिलाफ बोला, जो खुद इंडस्ट्री से हैं। ये शर्म की बात है, जिस थाली में खाते हैं उसमें छेद करते हैं। गलत बात है, इंडस्ट्री को सरकार का समर्थन चाहिए।

सुप्रीमकोर्ट ने पूर्व डीजीपी सैनी को दी बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर लगाई रोक

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक सुमेघ सिंह सैनी को 1991 में एक जूनियर इंजीनियर बलवंत संह मुलतानी की कथित हत्या के मामले में मंगलवार को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान कर दिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने सैनी की अपील पर पंजाब सरकार से जवाब मांगा है। सैनी ने इस मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इंकार करने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। वीडियो कांफ्रेंस के जरिये इस मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा से जानना चाहा कि 29 साल पुराने मामले में सैनी को गिरफ्तार करने की जल्दी क्या है। लूथरा ने जवाब दिया कि 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त पूर्व पुलिस महानिदेशक फरार हैं। पीठ ने इस मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुये कहा कि सैनी को अगले आदेश तक गिरफ्तार नही किया जायेगा और वह जांच में सहयोग करेंगे। उच्च न्यायालय ने इस कथित हत्या के मामले में आठ सितंबर को सैनी की अग्रिम जमानत की याचिका सहित दो याचिकायें खारिज कर दी थीं।

शायराना अंदाज में राहुल का तंज, कहा- मजदूरों की मौत होना जमाने ने देखा, लेकिन सरकार को खबर नहीं

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लॉकडाउन के दौरान मजदूरों की मौत से जुड़ा आंकड़ा सरकार के पास नहीं होने को लेकर मंगलवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि श्रमिकों की मौत होना सभी ने देखा, लेकिन सरकार को इसकी खबर नहीं हुई। उन्होंने ट्वीट किया, '' मोदी सरकार नहीं जानती कि लॉकडाउन में कितने प्रवासी मज़दूर मरे और कितनी नौकरियां गयीं।'' कांग्रेस नेता ने शायराना अंदाज में तंज किया, ''तुमने ना गिना तो क्या मौत ना हुई? हां मगर दुख है सरकार पे असर ना हुआ, उनका मरना देखा ज़माने ने, एक मोदी सरकार है जिसे ख़बर ना हुई।'' गौरतलब है कि लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में श्रम

एवं रोजगार मंत्री संतोष गंगवार ने कहा है कि लॉकडाउन के दौरान मारे गए मजदूरों के संदर्भ में आंकड़ा सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। संगीता कुमारी सिंह देव, भोला सिंह, कलानिधि वीरस्वामी तथा कुछ अन्य सदस्यों ने सवाल किया था कि क्या लॉकडाउन के दौरान हजारों मजदूरों की मौत हो गई और अगर ऐसा है तो उसका विवरण दें।

वार्ड नं. 66 की बिजली की लंबित चली आ रही समस्या का जालंधर ब्रीज द्वारा प्रमुखता से उठाने के बाद विभाग द्वारा किया हल

बिजली विभाग द्वारा लगाया गया वार्ड नं. 66 में 200 के.वी. का नया ट्रांसफोर्मर

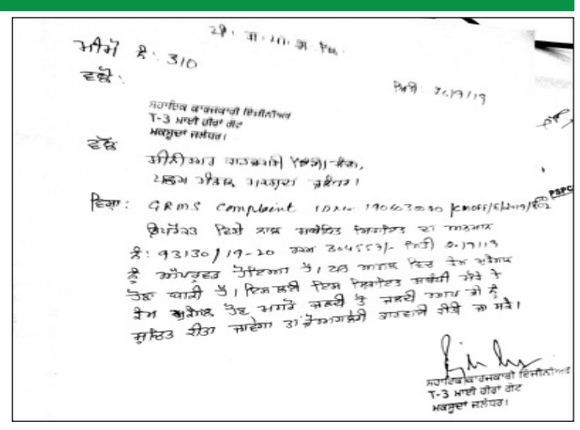

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

पिछले एक साल से वार्ड न 66 के लोगों द्वारा बिजली की समस्या के बारे में शिकायतें दर्ज कराई गयी पर कोई असर नहीं हो रहा था परन्तु बिजली विभाग के उच्चधिकारियों द्वारा जालंधर ब्रीज में प्रकाशित हुई खबर में मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए उसे सुलझाने के लिए एक्सेक्यूटिव इंजीनियर दर्शन सिंह को दिशा निर्देश दिए और नया ट्रांफॉर्मर लगवाकर विभाग द्वारा पुराने ट्रांसफॉर्मरों पर लोड कम किया जिसके कारण विभाग के सब-डिविजन अफसर बलकार चाँद द्वारा आश्वस्त किया गया के भविष्य में अब कोई समस्या नहीं आएगी और उनका विभाग उपभोक्ता को सुविधा देने के लिए वचनबद्ध है इस समस्या को सुलझाने में शक्ति सदन में मुख्य इंजीनियर जैन इन्दर दानिया के साथ तैनात बलजीत सिंह द्वारा ट्रांसफार्मर लगवाने में मुख्य भूमिका निभाई गयी जैसे ही उनके ध्यान में इस मुद्दे को लाया गया उन्होंने एक महीने के अंदर ही पिछले साल से चल रही बिजली की समस्या को नया ट्रांसफार्मर लगवा कर हल करवाया।

पंजाब एंड हरियाणा बार कौंसिल द्वारा ऑनलाइन चुनावी प्रक्रिया का साथी मैंबरों और समिति ने किया विरोध

■ जालंधर ब्रीज/ब्यूरो

कोरोना महामारी ने जहाँ विश्व के विकसित देशो को हिला के रख दिया वहीँ भारत की अर्थव्यवस्था को हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। इस बीमारी के कारण हर कारोबारी वर्ग इस से प्रभावित हुआ और आज भी जूझ रहा है जिसके लिए प्रधानमंत्री ने राहत पैकेज का एलान भी किया परन्तु देश का तीसरा स्तंभ माने जाने वाले न्यायतंत्र के हिस्सेदार वकील भाईचारे को गहरी चोट देने का काम किया।

इस राहत पैकेज में अपनी स्व जीविका खुद कमाने वाले वकील भाईचारे के लिए कोई एलान नहीं किया गया और इनकी खुद की संस्था बार कौंसिल के कुछ मेम्बरो द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वकील भाइयों को कोई राहत ना

परधान करने के आरोप लगाए। उल्टा जिस प्रकार से राजनीतिक पार्टियों द्वारा इस कोरोना महामारी का राजनीतिक लाभ लिया जा रहा है उसमे पंजाब एंड हरियाणा बार कौंसिल पर भी सवाल खड़े किये जा रहे हैं।

जहाँ इस संस्था का काम वकीलों के सारक्षक के रूप में होना चाहिए परन्तु इस मुश्किल घडी में ऑनलाइन चुनाव की और ज्यादा तवज्जो देकर चुनावी प्रकिरीया पर संदेह का काम कर रही है इसका विरोध पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट की चुनाव समिति द्वारा संकल्प पत्र जारी करके और बार कौंसिल के ही कुछ मैंबरों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विरोध दर्ज करवाया गया है।

उनका कहना है की वो चुनाव का विरोध नहीं कर रहे जिस संकट की घड़ी में हमें पहले उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों को फिजिकल रूप से सुचारु करवाने के लिए प्रयतनशील होना चाहिए उसके बाद हमें चुनाव के बारे में सोचना चाहिए जहाँ इस न्यायपालिका के बंद होने से वकील भाईचारे को हिला के रख दिया है और वहीँ आम इंसान जो पहले से ही राजनीतिक और भ्रष्ट अफसरों से पीड़ित था उसको तीसरे स्तंभ से ही राहत की आस बची है वो भी पूरी तरह से अदालतों के खुलने का इंतजार कर रहा है। इस चुनाव का विरोध पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के चुनाव समिति के चेयरमैन के एस सिद्धू सीनियर वकील द्वारा और बार कौंसिल के मेंबर रजत गौतम, हरगोबिंदर गिल और चेतन वर्मा द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

दखल

सीवर कब तक निगलेगा जीवन

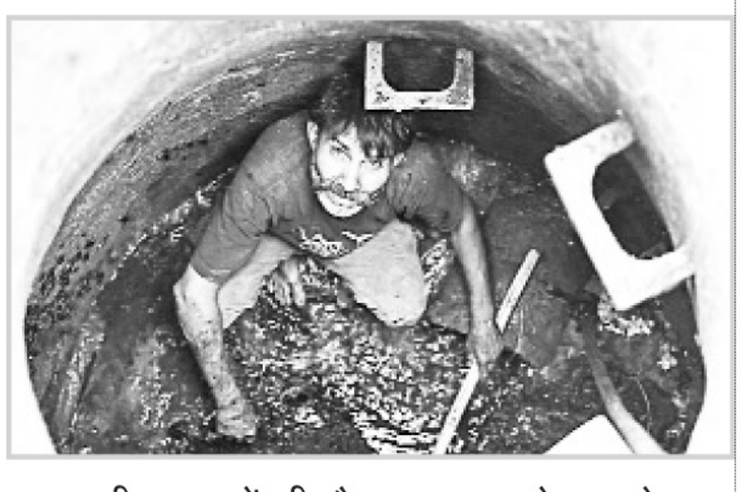

गरीब मजदूरों की मौत का सबब बने गटर ने एक बार फिर छह लोगों को निगल लिया है। तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में एक सेप्टिक टैंक की सफाई करने गए छह मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। यह हादसा पहली बार नहीं हुआ है। समय-समय पर गटर में मजदूरों की मौत हमारे सिस्टम पर सवाल उठाती रही है, मगर हमने आज तक मजदूरों को सुरक्षित जीवन देने के संबंध में उचित पहल भी नहीं कर पाए हैं।

सेप्टिक टैंक एक बार फिर गरीब मजदूरों की मौत का कारण बना है। तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में एक सेप्टिक टैंक की सफाई करने गए छह मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। ये सभी मजदूर कांचीपुरम के श्रीपेरंबदूर में एक सेप्टिक टैंक की सफाई का काम कर रहे थे, तभी चार मजदूरों की जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मौत हो गई। वहीं अपने साथियों को बचाने की कोशिश में दो अन्य मजदूरों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। हादसा मंगलवार दोपहर श्रीपेरंबदूर के नेमली इलाके में स्थित एक रिहायशी सोसायटी के पास हुआ। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को इसकी जानकारी दी। इस सूचना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने सभी मजदूरों के शव को टैंक से बाहर निकलवाया। इससे पहले हाल ही में आंध्र प्रदेश राज्य के चित्तूर जिले के पालमनेरू मंडल गांव में गटर की सफाई करने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से सात लोगों की मौत हो गई थी। से सभी लोग सेप्टिक अटैक की सफाई करने के लिए उसमें उतरे थे। सेप्टिक टैंक में कीचड़ होने से सभी मजदूर उसमें धंस गए और दम घुट जाने की वजह से उनकी मौत हो गई।

सेप्टिक टैंक या गटर की सफाई के दौरान मजदूरों की मौत अब न तो चौंकाती है और न ही चिंता पैदा करती है। गुस्सा जरूर भरती है क्योंकि आज तक हम ऐसी व्यवस्था नहीं बना पाए हैं, जिससे मजदूरों को सुरक्षित जीवन दिया जा सके। देश में हर साल काफी लोग गटर की सफाई करने के दौरान दम घुटने से मारे जाते हैं। हर मौत का कारण ये वही गटर हैं जिसके आसपास से हम गुजरना तक पसंद नहीं करते हैं। सफाई कर्मचारी आयोग सिर पर मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने की बात करता है, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकलता है। सरकार भी इस दिशा में मौन साधे है। जो मजदूर गटर से बाहर आने में कामयाब हो जाते हैं, उन्हें सीवर की गंदगी से लाइलाज बीमारियां हो जाती हैं, जो आखिर में उन्हें मौत के मुंह में ले जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट कई बार गटर की सफाई और मजदूरों की मौत को लेकर फटकार लगा चुका है। मगर कहीं से उम्मीद की लौ नजर नहीं आ रही है।

देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले छह माह में गटर की सफाई करने के दौरान 100 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। अधिकतर टैंक की सफाई के दौरान मरने वालों की उम्र 20 से 50 वर्ष के लोगों की होती है। देश के जिम्मेदार लोगों ने कभी महसूस ही नहीं किया कि नरक-कुंड की सफाई के लिए बगैर तकनीकी ज्ञान व उपकरणों के निरीह मजदूरों को सीवर में उतारना बेहद अमानवीय है। नरक कुंड की सफाई का जोखिम उठाने वाले मजदूरों की सुरक्षा-व्यवस्था के कई कानून हैं और मानव अधिकार आयोग के निर्देश भी। इस अमानवीय त्रासदी में मरने वाले अधिकांश लोग असंगठित दैनिक मजदूर होते हैं। इस कारण इनके मरने पर न तो कहीं विरोध दर्ज होता है और न ही भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं रोकने के उपायों पर चर्चा की जाती है। यह विडंबना है कि सरकार व सफाई कर्मचारी आयोग सिर पर मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के नारों से आगे इस तरह से हो रही मौतों पर ध्यान ही नहीं देता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और मुंबई हाईकोर्ट ने सीवर की सफाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिनकी परवाह व जानकारी किसी को नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि सीवर की सफाई के लिए केवल मशीनों का ही उपयोग किया जाए। इसके बावजूद इन सफाई कर्मचारियों को बिना किसी तकनीक यंत्र के शरीर पर सरसों का तेल लगाकर गटर में सफाई करने उतारा जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि समय बीतने के साथ-साथ वे कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं।

देशभर में 27 लाख सफाई कर्मचारी हैं, जिसमें 7 लाख 70 हजार सरकारी सफाई कर्मचारी है। 20 लाख सफाई कर्मचारी ठेके पर काम करते हैं। औसतन एक सफाईकर्मी की मासिक कमाई 5 से 8 हजार रुपए प्रति महीना है। 90 फीसदी गटर या सीवर साफ करने वालों की मौत 60 बरस बीतने से पहले ही हो जाती है। 60 फीसदी सफाईकर्मी कालरा, अस्थमा, मलेरिया व कैंसर जैसी बीमारियों से पीड़ित होते हैं। इस काम में बीमा की भी सुविधा नहीं होती है। कोर्ट के निदेर्शों के अनुसार सीवर की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाइन के नक्शे, उसकी गहराई से संबंधित आंकड़े होने चाहिए। सीवर सफाई का दैनिक रिकॉर्ड, काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाना, काम में लगे कर्मचारियों का नियमित प्रशिक्षण, सीवर में गिरने वाल कचरे की नियमित जांच कि कहीं इसमें कोई रसायन तो नहीं गिर रहे हैं जैसे निदेर्शों का पालन होना चाहिए, मगर यह कहीं नहीं दिखता है।

भूमिगत सीवरों ने भले ही शहरी जीवन में कुछ सहूलियतें दी हों, लेकिन इसकी सफाई करने वालों के जीवन में इन अंधेरे नालों ने और भी अंधेरा कर दिया है। देश में दो लाख से अधिक लोग जाम हो गए सीवरों को खोलने, मेनहोल में घुस कर वहां जमा हो गई गाद, पत्थर को हटान के काम में लगे हैं। कई-कई महीनों से बंद पड़े इन गहरे नरक कुंडों में कार्बन मोनो ऑक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड व मीथेन जैसी दमघोटू गैसें होती हैं। सरकारी दिशा-निदेर्शों में दर्ज हैं कि सीवर सफाई करने वालों को गैस-टेस्टर, गंदी हवा को बाहर फेंकने के लिए ब्लोअर, टॉर्च, दस्ताने, चश्मा और कान को ढंकने का कैप और हैलमेट मुहैया कराना आवश्यक है। मुंबई हाईकोर्ट का निर्देश है कि सीवर सफाई का काम ठेकेदारों के जरिए नहीं करवाना चाहिए। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी इस बारे में कड़े आदेश जारी कर चुका है। इसके बावजूद ये उपकरण और सुविधाएं गायब हैं। सीवर सफाई में लगे कुछ श्रमिकों के बीच किए गए सर्वे से मालूम चलता है कि उनमें से 49 फीसदी लोग सांस की बीमारियों, खांसी व सीने में दर्द के रोगी हैं। 11 प्रतिशत को डरमैटाइसिस, एग्जिमा और ऐसे ही चर्मरोग हैं। लगातार गंदे पानी में डुबकी लगाने के कारण कान बहने एवं कान में संक्रमण, आंखों में जलन व कम दिखने की शिकायत करने वालों का संख्या 32 फीसदी थी। भूख न लगना आम रोग है। इतना होने पर भी सीवरकर्मियों को उनके जीवन की जटिलताओं की जानकारी देने के लिए न तो सरकारी स्तर पर प्रयास हुए हैं और न ही किसी संस्था ने बीड़ा उठाया है।

देखा जाए तो गटर की सफाई करने वालो की जान तो जाती ही है, इसके साथ ही इनका पूरा परिवार भी अनाथ हो जाता है। आमदनी का स्रोत खत्म हो जाता है। मासूम बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ दो वक्त के खाने की भी परेशानी हो जाती है। मरने वालों का परिवार बेसहारा हो जाता है। देश में जाम सीवर की मरम्मत करने के दौरान प्रतिवर्ष दम घुटने से काफी लोग मारे जाते हैं। इससे पता चलता है कि हमारी गंदगी साफ करने वाले हमारे ही जैसे इंसानों की जान कितनी सस्ती है। सीवर सफाई के काम में लगे लोगों को सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि सरकारें नर्क जैसी जिंदगी गुजार रहे और सीवर सफाई कर्मियों की दर्दनाक मोतों के सिलसिले को रोकने के लिए कभी सोचेंगी भी या नहीं। सीवर में उतरे मजदूरों की मौत न तो एक शहर का मामला है और न ही एक राज्य का। यह देशव्यापी समस्या बन चुकी है, जिसका समाधान सभी को मिलकर ही खोजना होगा, ताकि मजदूरों को बेमौत मरने से बचाया जा सके।

विचार

रघुवंश के निधन से लालू अकेले

प्रखर समाजवादी नेता डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह का निधन न सिर्फ बिहार की राजनीति बल्कि देश की दिशा और दशा को भी प्रभावित करेगा। रघुवंश का निधन ऐसे समय हुआ है जब कुछ दिन बाद बिहार में चुनाव होने वाले हैं। राजद के लिए यह किसी झटके से कम नहीं हैं।

राजनीतिक जीवन में बेबाक और बेदाग अंदाज में रहने वाले प्रखर समाजवादी नेता डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह मनरेगा योजना लागू कर अमर हो गए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू यादव के संकटमोचक ब्रह्म बाबा उर्फ रघुवंश प्रसाद सिंह राजद का सवर्ण चेहरा थे। कांग्रेस की अगुवाई वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए-1) शासन काल में राजद कोटे से मंत्री बनाए गए थे। 23 मई 2004 से 2009 तक वे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की कैबिनेट में ग्रामीण विकास विभाग मंत्री रहे। इस बीच सोनिया गांधी की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय सलाहकार समिति ने रोजगार गारंटी कानून बनाने का प्रस्ताव दिया। कानून बनाने की जिम्मेदारी श्रम मंत्रालय को दी गई, लेकिन श्रम मंत्रालय ने इस कानून को बनाने को लेकर छह महीने में हाथ खड़े कर दिए। बाद में ग्रामीण विकास मंत्रालय को जिम्मेदारी सौंपी गई। गणित में मास्टर डिग्री वाली शैक्षणिक योग्यता वाले डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह ने इस कानून को बनवाने और पास कराने में अहम भूमिका निभाई।

हालांकि कानून को लेकर उनकी कैबिनेट के ही कई मंत्री सवाल खड़े कर रहे थे। कई ने तो इसे फिजूलखर्ची तक करार दिया। आखिर में समाजवादी पृष्ठभूमि के रघुवंश बाबू इस योजना के लिए सभी को साथ लाने में कामयाब रहे और दो फरवरी 2006 को एक साथ 200 पिछड़े जिलों में इस कानून को लागू किया गया। 2008 तक यह कानून महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना(मनरेगा) भारत के सभी जिलों में लागू की जा चुकी थी। इस कानून के तहत ग्रामीणों को 100 दिन की न्यूनतम रोजगार की गारंटी दी गई थी। इस कानून के चलते ग्रामीणों का मजदूरी या कमाने के लिए शहरों की ओर हो रहा पलायन रुक गया था। राजनीतिक रूप से फायदा यूपीए को मिला। यूपीए-2 को दोबारा सत्ता में लाने में इस योजना की भूमिका रही। एक समय मनरेगा को यूपीए की कब्रगाह बताने वाले एनडीए सरकार ने भी इस योजना को हूबहू लागू किया।

रघुवंश प्रसाद के व्यक्तित्व में गंवई आक्रामकता एवं विद्वता का अद्वितीय सम्मिश्रण था और उनके इसी गुण ने उन्हें बिहार की राजनीति में अपने लिए एक खास जगह बनाने में मदद की थी। एम्स में भर्ती रघुवंश ने कुछ दिन पहले उन्होंने बिहार में मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से बरसों पुराना अपना नाता तोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कई वर्षों तक लालू प्रसाद का साथ देते हुए राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में तमाम तोल-मोल किए, लेकिन उनकी अपनी अलग पहचान भी रही। उन्होंने नेता होने के साथ-साथ खुद के एक सहज व्यक्ति होने की पहचान भी कभी खोने नहीं दी। रघुवंश ऐसे समय गए हैं, जब अगले कुछ दिनों में बिहार में चुनाव होने वाले हैं। लालू के बाद वे ही ऐसे नेता थे जो पार्टी को सही दिशा दे सकते थे। लालू इस समय जेल में हैं और बीमार हैं। इस घड़ी में रघुवंश का निधन पूरी पार्टी के लिए झटके से कम नहीं है।

आसान नहीं है टीके की राह

अपेक्षाकृत कमजोर जीवित विषाणु वाले सफल टीकों की संख्या कम है, क्योंकि उन्हें बनाना जटिल काम है। ऐसा इसलिए भी है कि क्योंकि यह वास्तव में परीक्षण और त्रुटि पर आधारित होता है। इसमें जीन में होने वाले बदलावों का पता नहीं चल पाता है। निष्क्रिय विषाणु के टीकों को तैयार करने में बहुत उच्च मानकों को पूरा करना पड़ता है। इसमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत होती है कि टीकों में सभी विषाणु कमजोर या निष्क्रिय ही हों।

इस वक्त दुनिया कोरोना के जिस मकड़जाल में फंस गई है, उससे निकलने का एक ही रास्ता है कि अब इलाज सामने आए, कोई दवा या टीका विकसित हो। तभी दुनिया में इस महामारी को फैलने से रोका जा सकता है। इस वक्त कई देश टीके की खोज में लगे हैं। कुछ ने बना लेने का दावा किया है तो कुछ देश परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं। दुनिया भर के दर्जनों शोध समूह जिस अथक प्रयास में लगे हैं, वह जुए की किसी बाजी से कम नहीं है। टीका तैयार करने में जुटा हर देश और हर संस्थान यह दावा कर रहा है कि उसका टीका दूसरे की तुलना में सस्ता और ज्यादा कारगर साबित होगा। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि जल्दी ही टीका बना लेना कोई आसान काम नहीं है। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनिका के जिस टीके को लेकर सबसे ज्यादा उम्मीदें थीं, परीक्षण के दौरान एक व्यक्ति पर उसी का दुष्प्रभाव सामने आने के बाद परीक्षण अब रोकना पड़ गया है। हालांकि, ऑक्सफोर्ड ने फिर से परीक्षण शुरू करने की बात कही है।

महामारी के सात महीनों में 130 से अधिक प्रयोगात्मक टीकों पर काम चलने की बात सामने आई है। हाल में न्यूयार्क टाइम्स ने पुष्टि की कि दुनिया भर की प्रयोगशालाओं में कम से कम 88 टीकों पर इस समय नैदानिक परीक्षण से पहले का शोध चल रहा है, जिनमें से 67 टीकों पर अगले साल (2021) के अंत तक चिकित्सकीय परीक्षण पूरा कर लिए जाने की उम्मीद है। इस दौड़ में शामिल टीकों में से जो सबसे आगे नजर आ रहे हैं, वे सब एक ही जैव-चिकित्सीय सिद्धांत पर आधारित और निर्मित हैं, जिसमें एक प्रोटीन (स्पाइक प्रोटीन) है, जो प्राकृतिक रूप से कोरोनाविषाणु के ऊपरी कवच पर पाया जाता है। जब यह प्रोटीन शरीर के अंदर पहुंचेगा तो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली खुद के खिलाफ एंटीबॉडी बनाने के संकेत देगी और सैद्धांतिक रूप से इससे बनने वाला एंटीबॉडी कोरोनाविषाणु को नष्ट कर देगा। लेकिन कुछ शोधकर्ताओं की चिंता यह है कि हमें एक ही तरह की रणनीति पर बहुत अधिक उम्मीदें नहीं लगानी चाहिए, वह भी ऐसी रणनीति जिसे अभी सफल साबित होना बाकी है। इसीलिए वाशिंगटन विश्वविद्यालय में विषाणु विज्ञानी डेविड वेस्लर का कहना है कि 'अपने सभी अंडों को एक ही टोकरी में रखना बुद्धिमत्ता नहीं है'। बीते मार्च में डॉ. वेस्लर और उनके सहयोगियों ने एक नैनो कण वाला टीका तैयार किया था, जिसमें हर एक नैनो कण पर स्पाइक प्रोटीन की नोक की साठ प्रतियां साथ जुड़ी थीं। इन नैनो कणों में पूरी स्पाइक प्रोटीन शृंखला के बजाय उसका बाहर निकले हुए नुकीले हिस्से, जो कोरोना विषाणु के मानव शरीर में घुसने के बाद हमारी कोशिकाओं से सबसे ज्यादा संपर्क में आता है, का इस्तेमाल किया गया है। यह एक बहुत मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित कर सकता है। जब इन नैनो कणों को चूहों में प्रवेश कराया गया, तो उनमें कोरोना विषाणु के खिलाफ बड़ी मात्रा में एंटीबॉडी प्रतिक्रिया हुई। जब इन चूहों को कोरोना विषाणु के संपर्क में लाया गया, तो इन चूहों में संक्रमण नहीं फैला और जांच में ये चूहे संक्रमण से सुरक्षित पाए गए। इस सफल परीक्षण के बाज दी डॉ. वेस्लर और उनके एक सहयोगी नील किंग द्वारा स्थापित कंपनी, आइकोसावैक्स, जल्द ही 'नैनोकण टीके' का परीक्षण शुरू करेगी।

अमेरिकी सेना के वाल्टर रीड आर्मी इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने एक और 'स्पाइक-नोक नैनो कण' वाला टीका बनाया है, जिसका परीक्षण भी चल रहा है। कुछ अन्य कंपनियां और विश्वविद्यालय भी 'स्पाइक-नोक नैनो कण' वाले टीके पर काम कर रहे हैं। शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र में एंटीबॉडी कई दूसरे अस्त्रों के साथ एक प्रतिरोधी हथियार है। टी-रक्त कोशिकाएं भी उन्हीं में से एक हैं, जो विषाणु द्वारा संक्रमित की गई कोशिकाओं को खा जाती हैं। ब्राजील के साओ पाउलो के इंस्टीट्यूटो बुटानन की एक शोधकर्ता लुसियाना लेइट का कहना है कि 'हम अभी नहीं जानते हैं कि किस तरह की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होगी।' केवल एंटीबाडी प्रतिक्रिया प्रेरित करने वाले टीके लंबे समय में बेकार साबित हो सकते हैं। एक टीके का प्रभाव इससे भी तय होता है कि यह हमारे शरीर में किस रास्ते से भेजा जाता है। सभी टीके, जो चिकित्सकीय परीक्षण में हैं, मांसपेशियों में लगाए जाते हैं। इंफ्लूएंजा के सफलतम टीके (फ्लूमिस्ट) को नाक के रास्ते स्प्रे किया जाता है।

यह प्रणाली कोरोना विषाणु के खात्मे लिए इसलिए भी उचित है, क्योंकि कोरोना विषाणु वायु मार्ग से ही हमारे शरीर में आता है। नाक से स्प्रे के जरिए दिए जाने वाले टीकों में सबसे कल्पनाशील पहल न्यूयॉर्क की कंपनी कोडॉजेनिक्स की है। वह एक ऐसे टीके का परीक्षण कर रही है जिसमें कोरोना विषाणु का सिंथेटिक संस्करण प्रयोग किया जा रहा है। दशकों से टीकों के निमार्ताओं ने चेचक और पीत-ज्वर जैसे रोगों के लिए कमजोर जीवित विषाणु का सफलता से प्रयोग किया है। परंपरागत रूप से, वैज्ञानिक कमजोर विषाणु को प्राप्त करने के लिए मुर्गियों या अन्य जानवर की कोशिकाओं में उनकी वंश-वृद्धि करते हैं। लेकिन ये विषाणु अभी भी मानव कोशिकाओं में घुस पाने में सक्षम होते हैं, हालांकि, उनका प्रजनन धीमा हो जाता है। परिणामस्वरूप, वे बीमार नहीं कर पाते। इन कमजोर विषाणुओं की छोटी खुराक प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक का काम करती है। अपेक्षाकृत कमजोर जीवित विषाणु वाले सफल टीकों की संख्या कम है, क्योंकि उन्हें बनाना जटिल काम है। ऐसा इसलिए भी है कि क्योंकि यह वास्तव में परीक्षण और त्रुटि पर आधारित होता है। इसमें जीन में होने वाले बदलावों का पता नहीं चल पाता है। निष्क्रिय विषाणु के टीकों को तैयार करने में बहुत उच्च मानकों को पूरा करना पड़ता है। इसमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत होती है कि टीकों में सभी विषाणु कमजोर या निष्क्रिय हों। वाल्नेवा का टीका पहले ही उन मानकों को पूरा कर चुका है, लेकिन चीनी टीकों के बारे में किसी को कुछ नहीं पता। इसीलिए ब्रिटेन ने वाल्नेवा के टीके की छह करोड़ खुराक पहले ही से खरीद ली है।

अगर ये टीके के शुरुआती स्तर पर भी कामयाब रहते हैं, तो अगली चुनौती इनकी भारी-भरकम वैश्विक मांग को पूरा करने की होगी। कई पारंपरिक टीके बड़े पैमाने पर उत्पादित किए जा सकते हैं, जिनका उपयोग सुरक्षित और प्रभावी ढंग से दशकों से हो रहा है। कोडॉजेनिक्स ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ अपने विषाणु वाले टीके के उत्पादन के लिए साझेदारी की है। यह कंपनी पहले से ही खसरा, रोटाविषाणु और इन्फ्लूएंजा के लिए जीवित-कमजोर विषाणु के टीकों की अरबों खुराक बनाती है। कार्यप्रणाली का इस्तेमाल करने से टीके की लागत भी काफी कम बैठेगी।

भले दुनिया को कोविड -19 से बचाव के लिए सस्ते और प्रभावी टीके मिल जाएं, लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आने वाली महामारियों की चिंताएं खत्म हो जाएंगी। जंगली जानवरों में छिपे बैठे अन्य विषाणु से कोविड-19 जैसी महामारी कभी भी प्रकट हो सकती है। कई कंपनियां, जिनमें चीन की अनहुइ जोइफी, फ्रांस की ओसिवैक्स और अमेरिका की वीबीआई भी हैं, कोरोना विषाणु के टीके विकसित कर रही हैं और ये ऐसे विषाणु समूह से सुरक्षा देंगे, जिन्होंने मानव जाति को अब तक संक्रमित नहीं किया।

ट्विटर

ग्रामीण भारत की असाधारण समझ रखने वाले रघुवंश बाबू का कद बहुत ऊंचा था। सादा जीवन से उन्होंने सार्वजनिक जीवन को विशेष गरिमा प्रदान की।

रामनाथ कोविंद, राष्ट्रपति

ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को क्रियान्वित करने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से राजनीति में अपूरणीय क्षति हुई है। जो पूरी नहीं होगी।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्यार्थ

इंसानियत की रक्षा

यह उस समय की बात है, जब देश आजाद नहीं हुआ था। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में एक अंग्रेज जज थे- मिस्टर किली। उनका एक भारतीय नौकर था। एक बार वह बाजार से सामान लेकर आ रहा था कि बंगले के बाहर एक पागल कुत्ते ने उसे काट लिया। नौकर के रोने की आवाज सुन जज साहब उसके पास आए और उन्होंने तुरंत कुत्ते के काटने की जगह पर अपना मुंह लगा दिया और सारा विषैला खून चूस कर उगल दिया। बाद में मरहम-पट्टी करने के बाद उसे वह एक अंग्रेज डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने जब यह पूरा वाकया सुना, तो उसे आश्चर्य हुआ। वह बोला- आपने बेवकूफी की है। इससे तो आपकी जान भी जा सकती थी। एक अंग्रेज होकर आपने एक मामूली हिंदुस्तानी नौकर के लिए अपनी जान के साथ खिलवाड़ क्यों किया? जज साहब बोले-यह हमारा नौकर जरूर है, पर उसमें हम और आप, दोनों से ज्यादा इंसानियत है और इंसानियत की रक्षा के लिए मैं जान भी दे सकता हूं। डॉक्टर की समझ में कुछ नहीं आया। उसने कहा- आप क्या कह रहे हैं, मैं समझा नहीं। जज ने कहा- एक बार मैं इसे साथ लेकर दूर गया था। रास्ते में कुछ बदमाशों ने मेरी हत्या करने की कोशिश की, लेकिन इसने अपनी जान की परवाह नहीं की और मुझे बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गया। उनके पास चाकू था और छीना-झपटी में इसे गहरी चोट लगी। बदमाश कह रहे थे, तू भाग जा, पर इसने कहा कि मैं मालिक को छोड़कर नहीं जा सकता। अब आप ही बताएं कि आज मुझे क्या करना चाहिए था? इसे बचाना क्या मेरा कर्तव्य नहीं था? इसे कुछ हो जाता, तो इंसानियत कलंकित हो जाती। जज साहब के इस जवाब से डॉक्टर का सिर शर्म से झुक गया।

आईटी, रियल्टी और टेक कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली से गिरा बाजार

सेंसेक्स 98 अंक लुढ़का, निफ्टी 43 अंक फिसला

मुम्बई । विदेशी बाजारों से मिले मजबूत संकतों के बीच आईटी, रिएल्टी और टेक कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली के बावजूद दूरसंचार, बैंकिंग और वित्त क्षेत्र की कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में लगातार दो दिन की बढ़त को खोता हुआ बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को 97.92 अंक फिसलकर 38,756.63 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 43.40 अंक लुढ़ककर 11,421.05 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स आज तेजी के साथ 39,073.51 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 39,230.16 अंक के दिवस के उच्चतम और 38,573.17 अंक के दिवस के निचले स्तर से होता हुआ यह गत दिवस की तुलना में 0.25 प्रतिशत फिसलकर 38,756.63 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों के विपरीत निवेशकों ने छोटी तथा मंझोली कंपनियों में जमकर पैसा लगाया। बीएसई का मिडकैप 1.56 प्रतिशत यानी 228.07 अंक की तेजी में 14,887.69 अंक पर और स्मॉलकैप 4.03 प्रतिशत यानी 586.96 अंक की बढ़त में 15,145.23 अंक पर बंद हुआ।

30 में से 20 कंपनियां लाल निशान पर रहीं

सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियां लाल निशान में और शेष 10 हरे निशान में रहीं। दूरसंचार क्षेत्र की कंपनी भारती एयरटेल को आज सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा और कंपनी के शेयरों के दाम 3.46 प्रतिशत कम हो गये। आईटी कंपनी एचसीएल टेक सबसे कमाऊ कंपनी रही और कंपनी के शेयरों के भाव 10.08 प्रतिशत बढ़ गये। बीएसई के 20 समूहों में से आईटी क्षेत्र के सूचकांक में सर्वाधिक 4.76 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गयी। इसके अलावा रिएल्टी के सूचकांक में 3.85, टेक में 3.57, उपभोक्ता उत्पाद में 3.40, इंडस्ट्रियल्स में 2.16, सीडीजीएस में 1.50, बेसिक मैटेरियल्स में 1.49, ऑटो में 0.98, पूंजीगत वस्तु में 0.93, बिजली में 0.75 स्वास्थ्य में 0.63 और यूटिलिटीज में 0.45 प्रतिशत की बढ़त रही।

दूरसंचार क्षेत्र के सूचकांक में गिरावट

बीएसई में दूरसंचार क्षेत्र का का सूचकांक 2.09 प्रतिशत लुढ़क गया। इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र के सूचकांक में 1.56, वित्त में 1.31, ऊर्जा में 0.67, पीएसयू में 0.49, एफएमसीजी में 0.48, धातु में 0.44 और तेल एंव गैस में 0.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई में कुल 2,936 कंपनियों में रोबार हुआ जिनमें 1,829 में तेजी और 928 में गिरावट दर्ज की गयी। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख रहा। हांगकांग का हैंगशैंग 0.56, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.30 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.65 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.12 प्रतिशत तथा जर्मनी का डैक्स 0.10 प्रतिशत की गिरावट में खुला।

चीनी सेना ने अमेरिका को विश्व शांति के लिए बताया सबसे बड़ा खतरा

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन के रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका को वैश्विक व्यवस्था और विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। चीन की यह टिप्पणी उसकी सैन्य महत्वाकांक्षा को लेकर आई अमेरिकी रिपोर्ट के जवाब में आई है। चीनी सैन्य घटनाक्रम एवं लक्ष्यों पर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की ओर से अमेरिकी कांग्रेस को वार्षिक तौर पर दी जाने वाली रिपोर्ट दो सितंबर को जारी गई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी सेना के लक्ष्यों से अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अंतर्राष्ट्रीय नियमों पर आधारित व्यवस्था की सुरक्षा के लिए गंभीर निहितार्थ होंगे।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू क्यान ने रविवार को कहा कि यह रिपोर्ट चीन के लक्ष्यों और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और चीन के 1.4 अरब लोगों के बीच संबंधों को तोड़ती-मरोड़ती है। उन्होंने कहा कि बीते कई सालों में ऐसे सबूत आए हैं, जो दिखाते हैं कि क्षेत्रीय अशांति भड़काने वाला, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को तोड़ने वाला और विश्व शांति को बर्बाद करने वाला अमेरिका है।

अमेरिका की कार्रवाइयों से लाखों लोग हुए विस्थापित

प्रवक्ता ने कहा कि बीते दो दशक में इराक, सीरिया, लीबिया और अन्य देशों में अमेरिका की कार्रवाइयों की वजह से आठ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि अपने आप को देखने के बजाय, अमेरिका ने एक रिपोर्ट जारी की, जो चीन के सामान्य रक्षा और सैन्य ढ़ाचे पर झूठी टिप्पणी करती है।

अमेरिका से किया आग्रह

क्यान ने बयान में कहा कि हम अमेरिका से आग्रह करते हैं कि वह चीन के रक्षा और सैन्य ढांचे को निष्पक्षता और तर्कसंगत ढंग से देखे तथा झूठे और संबंधित रिपोर्टें जारी करने से बचे और द्विपक्षीय सैन्य संबंधों के स्वस्थ विकास की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। डेढ़ सौ से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में रक्षा मंत्रालय ने पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की तकनीकी क्षमता, सिद्धांतों और लक्ष्यों का परीक्षण किया है।

न्यूज

बलरामपुर में पूर्व सपा विधायक पर एक और मुकदमा

बलरामपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिला जेल में बंद समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी की मुश्किल बढ़ती जा रही है और अब उनके तथा चार भाइयों के खिलाफ कूटरचना एंव धोखाधड़ी का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक राधारमण सिंह ने सोमवार को यहां कहा कि सरायखास गांव के निवासी अनिल श्रीवास्तव की तहरीर पर जेल मे बंद पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी, उनके भाई निजामुद्दीन हाशमी, मारूफ अनवर हाशमी, आबिद अनवर हाशमी और फरीद अनवर हाशमी के विरुद्ध फर्जी अभिलेख तैयार कर खलिहान, तालाब एंव बंजर के खाते मे दर्ज भूमि को अपने नाम कराने के मामले मे मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होने कहा कि पूर्व विधायक और उनके भाइयो पर आरोप लगाया है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर

तेलुगु अभिनेत्री की आत्महत्या मामले में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलुगु टीवी अभिनेत्री श्रावणी की आत्महत्या मामले में देवराज रेड्डी और साई कृष्णा रेड्डी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी देवराज और साई रेड्डी को गिरफ्तार कर मेडिकल टेस्ट के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस को साई और देवराज द्वारा श्रावणी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले ऑडियो कॉल और वीडियो मिले हैं। आत्महत्या मामले के तीसरा आरोपी आरएक्स 100 फिल्म के निर्माता अशोक रेड्डी फरार है। मुख्य रूप से देवराज के शादी से इंकार करने और साई द्वारा प्रताड़ित करने से ही श्रावणी ने आत्महत्या कर ली थी। नौ सितंबर को अभिनेत्री श्रावणी की आत्महत्या की खबर आई। इसके बाद उनके फैंस और सहयोगी सितारे दुख में डूब गए। अभिनेत्री के परिजनों ने आरोप लगाया कि देवराज द्वारा उत्पीड़न से श्रावणी ने आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि देवराज ने उसे परेशान किया, इससे अभिनेत्री ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

सऊदी अरब जनवरी 2021 से यात्रा प्रतिबंध हटाएगा

रियाद,(एजेंसी)। सऊदी अरब ने एक जनवरी 2021 से यात्रा प्रतिबंध हटाने की घोषणा की है। गृह मंत्रालय ने रविवार को यहां जारी एक बयान में बताया कि कुछ देशों में कोरोना मामलों की स्थिति को देखते हुए यात्रा प्रतिबंध हटाने में देरी हो रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वह स्थिति के अनुसार ऐहतियाती उपाय लागू करेगा। मंत्रालय के अनुसार कुछ क्षेत्रों के लोगों को यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी, जिनमें सरकारी अधिकारी, राजनयिक और अस्वस्थ लोग शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर आंशिक रूप से प्रतिबंधों हटा लिया जाएगा और देश में आने-जाने के लिए भूमि, समुद्र और वायु सीमाओं को खोल दिया जाएगा। सऊदी अरब में इस समय कोरोना संक्रमण मामलों कमी देखी गई है।

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे! कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं। कोरोना को धोना हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय में चार लोगों ने दायर की पीआईएल

समलैंगिक जोड़ों की शादी की याचिका पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय में शुक्रवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई होने की संभावना है, जिसमें 1955 के हिंदू विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक जोड़ों को शादी करने का अधिकार देने का निर्देश दिया गया है, उनका तर्क है कि ऐसी यूनियनों पर रोक लगाना उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

समलैंगिक जोड़ों की शादी

एलजीबीटीआई समुदाय के चार लोगों ने मिलकर 8 सितंबर को एक याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश एचसी डीएन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ कर रही है। याचिका कहती है कि हिंदू विवाह अधिनियम ये नहीं कहता है कि शादी एक हिंदू पुरुष और हिंदू स्त्री के बीच ही हो। 2018 से भारत के अंदर से समलैंगिकता को आपराधिक नहीं माना जाता है, लेकिन यहां आज भी समलैंगिक शादी मान्य नहीं है। याचिका में कहा गया है कि समलैंगिक जोड़ों के अधिकारों की गैर-मान्यता, विशेष रूप से जब उनकी कामुकता को सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्य मान लिया गया हो, भारत के संविधान के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन है।

समान-लिंग विवाह अधिकारों के मुद्दे पर यह दूसरी याचिका

समान-लिंग विवाह अधिकारों के मुद्दे पर दायर की जाने वाली यह दूसरी याचिका है। जनवरी के महीने में केरल में रहने वाले एक युगल - निकेश पुष्करन और सोनू एमएस ने विशेष विवाह अधिनियम को चुनौती देते हुए केरल हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। दिल्ली हाईकोर्ट में - अभिजीत अय्यर मित्रा, गोपी शंकर, गीति थडानी और जी ओरवसी समेत चार लोगों ने ये याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता राघव अवस्थी ने कहा कि 21 वीं सदी में, कोई कारण नहीं है कि समान लिंग वाले लोगों को दूसरों के समान अधिकारों का आनंद नहीं लेना चाहिए।

कानून में कहीं नहीं है जिक्र

शंकर ने 2019 के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले की ओर इशारा किया, जिसमें एक आदमी और एक ट्रांसवुमन के बीच विवाह को बरकरार रखा गया था, जिसमें कहा गया था कि हिंदू विवाह अधिनियम में दुल्हन शब्द में एक ट्रांसवुमन भी शामिल है। 2018 में समलैंगिकता को आपराधिक श्रेणी से हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के वकील सौरभ कृपाल ने कहा कि कानून में लिखे गए शब्द समान-लिंग के लोगों की शादी के प्रावधान से बाहर नहीं करते हैं, लेकिन सामान्य व्यवहार उन्हें कानून से बाहर समझता है अदालत को, हालांकि, समान-लिंग विवाहों को न केवल एक विधायी चूक के रूप में, बल्कि एक सकारात्मक तथ्य के रूप में पहचानना चाहिए।

जापान के अगले प्रधानमंत्री होंगे योशीहिदे सुगा, पार्टी में 70 फीसदी सदस्यों का समर्थन मिला

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान की गवर्निंग पार्टी ने शिंजो आबे के उत्तराधिकारी के रूप में योशीहिदे सुगा को अपना नया नेता चुना है। इसका साफ मतलब है कि सुगा का जापान का अगला प्रधानमंत्री बनना लगभग तय हो गया है। पिछले महीने आबे ने स्वास्थ्य कारणों के चलते अपने इस्तीफे की घोषणा की, जिसके बाद जापान में राजनैतिक माहौल गरमा गया था। नए प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए पार्टी में कई नाम उठने लगे थे।

आबे के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए हुए आंतरिक मतदान में सुगा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमाक्रेटिक पार्टी में 377 वोट प्राप्त हुए, जबकि अन्य दो दावेदारों को 157 वोट हासिल हुए। सुगा को पार्टी में 70 फीसदी वोट हासिल हुए। अब जबकि एलडीपी ने अपना नया नेता चुन लिया है और संसद में बुधवार को एक और मतदान होगा, जहां एलडीपी के बहुमत के कारण उन्हें प्रधानमंत्री बनाया जाना लगभग तय है।

सुगा प्रशासन में मुख्य कैबिनेट सचिव की निभा रहे हैं भूमिका

71 वर्षीय सुगा वर्तमान प्रशासन में मुख्य कैबिनेट सचिव के रूप में कार्य कर रहे हैं और उन्हें प्रधानमंत्री आबे का करीबी माना जाता रहा है। सुगा की जीत तय मानी जा रही थी, क्योंकि लिबरल डेमोक्रेटस का सत्तारूढ़ गठबंधन में बहुमत है। प्रशासन में मुख्य कैबिनेट सचिव की उनकी केंद्रीय भूमिका को देखते हुए 2021 के चुनाव तक उनसे एक अंतरिम सरकार का नेतृत्व जारी रखने की उम्मीद जा रही है।

मेरी प्राथमिकताएं कोरोना से लड़ाई लड़ना: सुगा

सुगा ने कहा है कि उनकी शीर्ष प्राथमिकताएं कोरोना वायरस से लड़ाई लड़ना और इस महामारी से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना है। उनका कहना है कि वे एक सुधारवादी हैं और उन्होंने नौकरशाही की क्षेत्रीय बाधाएं तोड़कर नीतियां हासिल करने का काम किया है।

नेतृत्व परिवर्तन का मौका सबसे कठिन दौर में आया

नेतृत्व परिवर्तन का यह मौका देश के सबसे कठिन दौर में आया है। देश अभी भी कोरोनो महामारी से जूझ रहा है, जिसके कारण रिकॉर्ड आर्थिक मंदी पैदा हुई है। प्रधानमंत्री आबे की अबेनॉमिक्स नाम से अर्थव्यवस्था को किकस्टार्ट करने की लंबे समय से चली आ रही परियोजना लंबे समय से चल रही है और देश में कई वर्षों से ठहराव, मंदी या केवल धीमी वृद्धि ही देखी जा रही है।

उत्तरी अफगानिस्तान में 17 आतंकवादी मरे

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के बदकशां प्रांत के जारम जिले में सोमवार तड़के तालिबानी आतंकवादियों ने जोरदार हमला किया, लेकिन सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई के कारण तालिबानियों को वहां से भागना पड़ा और बाद में सुरक्षा बलों ने वहां से 17 शव बरामद किए।

पैरों से लिखना सीखा और बन गए कृषि पर्यवेक्षक

सीकर, (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर में रहने वाले भरत सिंह शेखावत के जज्बे को सभी सलाम कर रहे हैं। 6 साल की उम्र में ही हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से अपने दोनों हाथ गंवाने वाले भरत ने पैरों से लिखना शुरू किया और अपने पहले ही प्रयास में कृषि पर्यवेक्षक पद पर चयनित हुए हैं। हर दिन दोस्तों को स्कूल जाते देख जब उससे नहीं रहा गया तो पिता तेज सिंह से स्कूल जाने की जिद कर बैठा। पढ़ाई का जुनून और जिंदगी को बदलने की जिद ऐसी की पैरों से लिखना तक सीख लिया। मुट्ठी से समय का रेत फिसलती गई और शुक्रवार को भरत का चयन कृषि पर्यवेक्षक के पद पर हुआ तो यह उन लोगों के लिए उसका करारा जवाब था, जो असफलता के लिए बहाने ढूंढते हैं।

स्टेट पैरा ओलिम्पिक गेम में जीता ब्रॉन्ज मैडल

भरत बताते हैं मां ने जिंदगी जीने के लिए प्रेरित किया। कुछ ऐसे लोग भी थे, जिन्होंने पढ़ाई की जिद पर न सिर्फ मनोबल तोड़ा, बल्कि मजाक भी उड़ाया। यही नहीं, खेलों में भी भरत किसी से पीछे नहीं थे। 2016 में स्टेट पैरा ओलिम्पिक गेम में 10 किमी में ब्रॉन्ज मैडल भी जीता। भरत कहते हैं कि हिम्मत देखकर ही तो राजस्थान एग्री वलासेज के निदेशक राम नारायण ने तीन साल तक निःशुल्क तैयारी करवाई। भरत ने पैरों के सहारे मोबाइल-कंप्यूटर चलाना सीखा और 85 फीसदी अंकों के साथ आरएससीआईटी का डिप्लोमा लिया।

पीएम की दहलीज तक पहुंची जेडीयू-लोजपा की लड़ाई

पटना,(एजेंसी)। लोजपा और जेडीयू के बीच चल रही तनातनी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दहलीज पर पहुंच गई है। लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान ने पीएम मोदी को बिहार के राजनीतिक हालात को लेकर एक चिट्ठी लिखी है। इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर लोजपा की राय के बारे में जानकारी दी गई है। दो दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार दौरे पर आए थे और बयान दिया था कि एनडीए में सब कुछ ठीक चल रहा है, किंतु चिराग द्वारा पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी से यह तय हो गया है कि अभी सब कुछ ऑल इज वेल नहीं है।

चिराग ने पीएम को लिखी चिट्ठी

वहीं केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा के संस्थापक रामविलास पासवान का भी कहना है कि वे चिराग के हर फैसले के साथ मजबूती से खड़े हैं और विश्वास जताया कि चिराग पार्टी व बिहार को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। दिल्ली के अस्पताल में भर्ती केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को बेहद भावनात्मक ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि चिराग मेरा ख्याल रखने के साथ-साथ पार्टी के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं।

बिहार में भाजपा के लिए प्रचार करेंगी एक्ट्रेस कंगना रनौत?

देवेंद्र फडणवीस बोले- जरूरत नहीं, पीएम मोदी ही पार्टी के सुपरस्टार

पटना, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस सोमवार को राज्य के कटिहार पहुंचे। इस दौरान उनसे बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत और सुशांत सिंह राजपूत को लेकर भी सवाल पूछे गए। जब फडणवीस से पूछा गया कि क्या कंगना बिहार में भाजपा के लिए प्रचार करेंगी तो उन्होंने इंकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को पार्टी का सबसे बड़ा स्टार प्रचारक बताया।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में कंगना रनौत जैसे स्टार प्रचारक की जरूरत नहीं है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही भाजपा के स्टार और सुपर स्टार हैं। उनकी वजह से ही हमने देश में जीत दर्ज की और कहीं भी जीत दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बिहार के चुनाव में सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या जैसा मुद्दा कोई चुनावी राजनीति का हिस्सा नहीं है।

बिहार ही नहीं, देश के बेटे थे सुशांत

फडणवीस ने शुक्रवार को सुशांत को देश का बेटा बताया था। उन्होंने कहा था कि सुशांत बिहार ही नहीं, देश के बेटे थे। इसके निधन के बाद लोगों को लगा था कि अब न्याय नहीं मिलेगा, लेकिन मीडिया की मुहिम का असर हुआ। उन्होंने कंगना रानौत की ओर से मुंबई को पीओके कहे जाने को अनुचित बताया था। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। कंगना का घर ध्वस्त करने तक मामला आ पहुंचा है। हकीकत है कि महाराष्ट्र सरकार कोरोना के बदले कंगना से मुकाबला कर रही है।

नजर निशाने पर हैं पांच पूर्व सीएम, 26 सीएम, 350 एमपी और 1350 वीवीआईपी

देश के 10,000 प्रमुख लोगों की जासूसी कर रहा चीन!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चीन सरकार और चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी शेनजेन की एक कंपनी 10 हजार से अधिक भारतीय लोगों और संगठनों की निगरानी कर रही है। इस बात का खुलासा इंडियन एक्सप्रेस के इन्वेस्टिगेशन में हुआ है। यह कंपनी 'हाइब्रिड युद्ध' और चीनी राष्ट्र के महान कायाकल्प के लिए खुद को बिग डेटा का प्रयोग करने में अग्रणी बताती है। भारत में जिन टार्गेट पर नजर रखी जा रही है, उनकी जानकारी सामने आई है। झेनहुआ डेटा इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड की तरफ से इन लोगों की रियल टाइम निगरानी की जा रही है। इसमें उनसे जुड़ी हर छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी सूचना शामिल है। जिन लोगों की निगरानी की जा रही है, उनमें राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनका परिवार; मुख्यमंत्रियों में ममता बनर्जी, अशोक गहलोत और कैप्टन अमरिंदर सिंह, उद्धव ठाकरे, नवीन पटनायक और शिवराज सिंह चौहान शामिल हैं। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह और रविशंकर प्रसाद से लेकर निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल भी शामिल हैं। वहीं, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन सिंह रावत से लेकर सेना, नौसेना और वायु सेना के कम से कम 15 पूर्व प्रमुख भी निगरानी सूची में शामिल हैं। भारत के चीफ जस्टिस शरद बोबड़े और उनके साथी जज एएम खानविल्कर से लेकर लोकपाल जस्टिस पीसी घोष और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जीसी मुर्मू का भी इसमें नाम है। स्टार्टअप टेक उद्यमी जैसे भारत पे (एक भारतीय भुगतान ऐप) के संस्थापक निपुण मेहरा और ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी ऑथब्रिज के अजय त्रेहन से लेकर रतन टाटा व गौतम अडानी जैसे शीर्ष उद्यमी भी इस लिस्ट में शामिल हैं।इंडियन एक्सप्रेस की जांच में पता चला है कि ओकेआईडीबी लोगों के रिश्तेदारों को भी ट्रैक करता है।

भारतीय सैनिकों को ऐसे मदद कर रहे हैं लद्दाखी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत-चीन सीमा पर विवाद जारी है। लद्दाख की सड़कों पर सेना का साजो-सामान ले जाने वाली भारी गाड़ियों के काफिले देखे जा सकते हैं। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लद्दाखी सैनिकों के लिए स्थानीय फल सब्जियां भेजते हैं। पानी के बड़े-बड़े केन भरकर उन्हें सड़क किनारे रख देते हैं। वहां से आर्मी या आईटीबीपी का काफिला गुजरता है, तो वह सामान उनकी गाड़ियों में रखवा दिया जाता है।

सैनिकों के लिए भेजते हैं फल-सब्जियां

चुशुल इलाके में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प के दौरान आसपास के लोगों ने पोर्टर बनकर सेना की बड़ी मदद की है। इस क्षेत्र के पार्षद कोन्चोक स्टेंजिन बताते हैं कि हमारे पास ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन जो भी है, हम उसी के जरिए अपनी सेना की मदद करने का प्रयास करते हैं। खाने पीने का वह सामान, जो इसी इलाके में पैदा होता है, वह सेना को दिया जाता है। हमने बॉर्डर के निकटवर्ती सभी गांवों के लोगों से कहा है कि वे युवाओं की टोलियां तैयार रखें। उनके लिए किसी भी समय पोर्टर के लिए बुलावा आ सकता है। चुशूल से दर्जनों युवक सेना के साथ पोर्टर का काम कर रहे हैं। स्थानीय लोग अपने सैनिकों के लिए खाने-पीने का सामान लेकर फॉरवर्ड-पोस्ट तक पहुंचा रहे हैं।

जालंधर एडीसीपी ट्रैफिक पुलिस गगनेश शर्मा द्वारा ट्रैफिक समस्या को लेकर की गयी कार्यवाही

■ जालंधर/रवि

जालंधर पुलिस एडीसीपी ट्रैफिक गगणेश शर्मा ने अपनी ट्रैफिक पुलिस अधिकारीयों सहित दुकानों के बाहर अवैध किये हुए कब्जो को लेकर और सड़क के ऊपर पड़े समान व अवैध रूप से खड़े वाहनों को लेकर सख्ती बरती और दुकानदारों को अपने वाहनों को पार्किंग में खड़े करने के लिए निर्देश दिए। ट्रैफिक समस्या पर जानकारी देते हुए गगनेश शर्मा ने बताया की आज फगवाड़ा गेट से लेकर भगत सिंह चौंक तक जो ट्रैफिक की समस्या हमारे पास आ रही है इसी को देखते हुए हमारे ट्रैफिक इंस्पेक्टर जसपाल सिंह और पुलिस के अधिकारियों को साथ लेकर दुकानों के बाहर लगे वाहनो को पार्किंग में लगाने के सख्त आदेश दिए जिस से ट्रैफिक की समस्या का हल हो सके और कोरोना जैसी गंभीर महामारी में लोग सोशल डिस्टन्सिंग की पालना भी कर पाए और साथ उन्होंने कहा की वह सोमवार को नगर निगम के अधिकारीयों को साथ लेकर फिर से कार्रवाई करेंगे ताकि लोगों को ट्रैफिक समस्या का सामना न करना पड़े ।

तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार नौजवान को कुचला

■ जालंधर/रवि

एच.एम.वी. कॉलेज के निकट पेट्रोल पम्प के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार नौजवान युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची डिवीज़न नंबर 2 की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। पूछताछ के दौरान लोगों ने बताया कि ट्रक **P.B.**12 **Q** 6805 जो की काफी तेजी से आ रहा था इसी दौरान मोटरसाइकिल **P.B.** 08 **B.E** 3523 और ट्रक की साइड लग गई और मोटरसाइकिल सवार बुरी तरह घायल हो गया और कुछ ही पल में ही युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक युवक की पहचान सचिन कुमार पुत्र जीतराज वासी बस्ती दंशमंदा का रहने वाला है और मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में लिया जिसकी पहचान पेथी पाल पुत्र बक्शी गली नंबर 7 संगत नगर का रहने वाला है । पुलिस ने दोषी को गिरफ्तार कर उस पर मामला दर्ज कर लिया है।

SPORTS PLANET

भारत की स्टार खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भी ऐसे समय में टूर्नामेंट के आयोजन पर चिंता जताई थी

स्पोर्ट्स प्लैनट

थॉमस और उबर टूर्नामेंट 2021 तक के लिए हुआ स्थगित, कई टीमों ने लिए अपने नाम वापिस

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कोरोना वायरस महामारी के बीच शीर्ष टीमों के नाम वापिस लेने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ ने डेनमार्क में होने वाले थॉमस और उबेर कप टूर्नामेंट मंगलवार को अगले साल तक के लिये स्थगित कर दिये। भारत ने तीन से 11 अक्टूबर तक डेरमार्क के आरहस में होने वाले टूर्नामेंट के लिये महिला और पुरूष दोनों टीमों की घोषणा कर दी थी। कोरोना महामारी के कारण हालांकि थाईलैंड, आस्ट्रेलिया, चीनी ताइपै और अल्जीरिया के बाद शुक्रवार को इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया ने भी नाम वापिस ले लिया जिसकी वजह से बीडब्ल्यूएफ ने रविवार को आपात वर्चुअल बैठक बुलाई। महासंघ ने एक बयान में कहा ,'' बैडमिंटन विश्व महासंघ मेजबान बैडमिंटन डेनमार्क की सहमति से थॉमस और उबेर कप 2020 स्थगित करने का कठिन फैसला ले रहा है।'' इसमें कहा गया ,'' कई प्रतियोगी टीमों के नाम वापिस लेने के कारण यह फैसला किया गया है। संशोधित बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के यूरोपीय चरण के कारण अब इसके लिये 2021 से पहले वैकल्पिक कार्यक्रम बनाना भी मुश्किल है।'' बीडब्ल्यूएफ ने सिंगापुर और हांगकांग को शामिल करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ऐसी खबरें हैं कि चीन और जापान भी नाम वापिस लेने की सोच रहे थे। भारत की स्टार खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भी ऐसे समय में टूर्नामेंट के आयोजन पर चिंता जताई थी। साइना और पी वी सिंधू महिला टीम की अगुवाई कर रहे थे जबकि पुरूष टीम में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत शामिल थे। बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा कि डेनमार्क ओपन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 से 18 अक्टूबर तक ओडेंसे में होगा लेकिन 20 से 25 अक्टूबर तक होने वाला विक्टर डेनमार्क मास्टर्स रद्द कर दिया गया है।

कांग्रेस के शराब माफिया, भ्रष्टाचार और घोटालो के खिलाफ भाजपा द्वारा आवाज उठाने से बौखलाई कैप्टन सरकार राजनीतिक बदले की मंशा से करवा रही पर्चे-सुशील शर्मा

बौखलाई कांग्रेस के अपने नेताओं के लिए नियम अलग व विपक्ष के लिए अलग, इसलिए दर्ज हो रहे मामले-शर्मा

■ जालंधर/रवि

कैप्टन अमरिंदर व प्रदेश की कांग्रेस सरकार के इशारे पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित अन्य भाजपा नेताओं पर पुलिस द्वारा दर्ज किये गए मामलों पर कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए भाजपा जालंधर शहरी के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने कहाकि कैप्टन अमरिंदर सिंह व उनकी कांग्रेस सरकार बौखला चुकी है, तभी तो ऐसी ओछी राजनीती पर उतर आई है ड्ड अपने घरों में बैठ कर चार लोगों के साथ बातचीत करने वालों पर भी पुलिस अपने राजनितिक आकाओं को खुश करने के चक्कर में मामले दर्ज कर रही है।

सुशील शर्मा ने कहाकि भाजपा द्वारा पंजाब में जहरीली शराब से हुई मासूम लोगों की मौतों, प्रदेश में लॉक-डाउन के दौरान नाजायज शराब की हुई बिक्री तथा प्रदेश के राजस्व को हुए 5600 करोड़ रूपये के घाटे, केंद्र सरकार द्वारा पंजाब की गरीब व जरूरतमंद जनता के लिए भेजे गए राशन में कांग्रेसियों द्वारा किये गए छात्रवृति घोटालों, जहरीली शराब, रेत माफिया, माइनिंग घोटाले, केंद्र द्वारा भेजे गए राशन घोटाले, पी.पी.ई. किट घोटाले तथा जनता को कोविड-19 के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा दी गई बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं के विरुद्ध आवाज उठाने पर कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा कांग्रेसी नेताओं ने राजनीतिक द्वेष के कारण बदले की भावना से कांग्रेस सरकार के इशारे पर पुलिस ने भाजपा नेताओं पर मामले दर्ज किये हैं।

जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने कहाकि कांग्रेसी नेताओं के लिए पंजाब की कांग्रेस सरकार के नियम व कानून अलग हैं और विपक्ष व जनता के लिए अलग।

उन्होंने कहाकि कांग्रेस के नेता उद्घाघाटन करें या कोई सभा करें तो उन पर कोई मामला दर्ज नहीं किया जाता और अगर विपक्ष के नेता अपने कार्यकर्ताओं से उनके घर मिलने जाते हैं या वहां बैठ कर बातचीत करते हैं तो उन पर वहां के कांग्रेसी नेता के इशारे पर मामला दर्ज कर दिया जाता है।

शर्मा ने कहाकि अगर आम जनता या विपक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह या कांग्रेस सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसके खिलाफ वहां के कांग्रेसी नेताओं के इशारे पर मामला दर्ज कर उसे मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। पिछले कुछ महीनों में प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं ड्ड

शर्मा ने कहाकि कांग्रेस की कैप्टन सरकार की ऐसी निम्न स्तर की राजनीति से भाजपा का कार्यकर्ता न रुकेगा न झुकेगा और पंजाब व पंजाबियत के हितों के लिए जनता की आवाज को बुलंद करते हुए कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा के संघर्ष निरंतर जारी रहेगे।

शर्मा ने कहाकि अब कांग्रेसियों की यह गुंडागर्दी ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी, क्यूंकि जनता अब कांग्रेस के कारनामों के बारे बहुत अच्छी तरह से जान चुकी है और आने वाले चुनाव में इसका जवाब देने की तैयारी कर चुकी है ड्ड इस प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री, मनोरंजन कालिया, पूर्व विधायक, कृष्णदेव भंडारी, प्रदेश प्रवक्ता, महेंद्र भगत, पूर्व मेयर सुनील ज्योति, जिला महामंत्री, भगवंत प्रभाकर,उपस्थित थे।

बायो बबल के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ECB से मांगी मदद, टी-20 मैच होने की संभावना

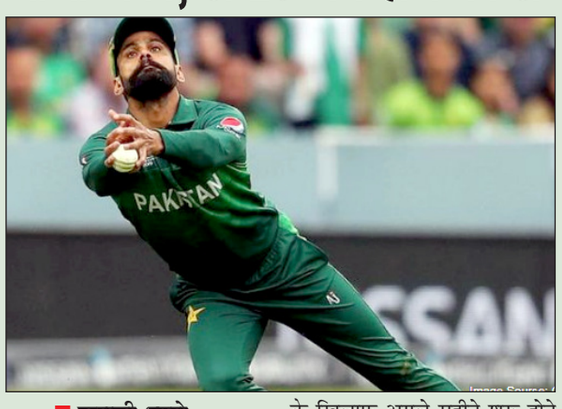

■ कराची/ब्यूरो

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले महीने शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिये जैविक रूप से सुरक्षित बबल तैयार करने में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की मदद मांगी है। जिम्बाब्वे टीम 20 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचेगी। उनके टी-20 और वनडे मैच मुल्तान और रावलपिंडी में होने की संभावना है।

पीसीबी के एक सूत्र ने कहा '' दोनों स्थानों पर विचार हो रहा है क्योंकि वहां पर राष्ट्रीय टी-20 चैम्पियनशिप जैव सुरक्षित माहौल में होगी।'' पीसीबी पाकिस्तान सुपर लीग के बाकी चार मैच भी पांच नवंबर से लाहौर में आयोजित करायेगा।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पंजाब अचीवमेंट सर्वे के लिए डेटशीट जारी सर्वे को सफल बनाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस की मदद लेने का फैसला

■ चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने पंजाब अचीवमेंट सर्वे (पी.ए.एस.) के लिए डेटशीट जारी कर दी है। यह सर्वे 21 सितम्बर से 3 अक्तूबर तक करवाया जा रहा है। इसी दौरान ही शिक्षा विभाग ने इस सर्वे की सफलता के लिए गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस की मदद लेने का भी फ़ैसला किया है। इसकी जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह सर्वे पहली से लेकर 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के आधार पर होगा। पहली कक्षा के विद्यार्थियों के लिए हरेक विषय के 10 प्रश्न होंगे, जबकि दूसरी से पाँचवीं कक्षा के लिए हरेक विषय के 15सवाल होंगे। हरेक सवाल 2 अंकों का होगा। प्रवक्ता के अनुसार छठी से बाहरवींकक्षा के विद्यार्थियों के लिए हरेक पेपर के 20 सवाल होंगे और एक पेपर 40अंकों का होगा। प्राईमरी स्कूलों का सर्वे इम्तिहान 21 सितम्बर को शुरू होकर 25 सितम्बर को ख़त्म हो जाएगा, जबकि छठी से दसवीं तक केविद्यार्थियों का सर्वे 21 सितम्बर से शुरू होकर 26 सितम्बर तक चलेगा। ग्यारहवीं और बाहरवीं

प्राईमरी स्कूलों का सर्वे इम्तिहान 21 सितम्बर को शुरू होकर 25 सितम्बर को खत्म हो जाएगा

के लिए सर्वे 21 सितम्बर से शुरू होकर 3 अक्तूबर को ख़त्म होगा। इसी दौरान ही पंजाब स्कूल शिक्षा विभागने सर्वे के लिए गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस (जी.ओ.जी) की मदद लेने के लिए ज़िलाशिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों को निर्देश दिए हैं। सरकारी एवंसरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के विद्यार्थियों के सीखने के नतीजों का मूल्यांकनकरवाने के लिए आयोजित करवाए जा रहे पंजाब अचीवमेंट सर्वे (पी.ए.एस.) कोपूरी तरह सफल बनाने के लिए पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस की मदद लेने का फ़ैसलाकिया गया। प्रवक्ता के अनुसार डायरैक्टर एस.सी.ई.आर.टी. ने ज़िला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों को एकपत्र जारी करके उनको पी.ए.एस. के सम्बन्ध में गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस की मदद लेने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस पंजाब अचीवमेंट सर्वे के सम्बन्धित गतिविधियों में स्कूलों और समुदाय में एक कड़ी की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के इस सर्वे में शामिल होने को यकीनी बनाने के लिए गार्डीयन ऑफ गवर्नेंस बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

जालंधर नगर-निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 की शुरुआत की गई

■ जालंधर/रवि

नगर-निगम जालंधर की और से स्वच्छता अभियान शुरू किया गया जिसमें अपना कूड़ा अपनी जिम्मेवारी से संभालने की मुहीम नगर निगम के मेयर जगदीश राजा,कमिश्नर कर्नेश शर्मा संयुक्त कमिश्नर हरचरण सिंह, इनायत, शैरी मल्होत्रा,डिप्टी मेयर हरसिमरनजीत सिंह बंटी और समूह कौंसलरों ने नगर निगम के एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक के बहार से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की और इसमें शहर के हर एक वार्ड के कौंसलरों ने नगर निगम के जोनो में जाकर लोगों को कूड़े की संभाल के लिए जागरूक किया। इस सम्बन्धी मेयर, कमिश्नर नगर निगम जालंधर की तरफ से यह भी सुझाव दिया गया की जो शहर वासी और नगर निगम के मुलाज़िम अच्छा काम करेंगे उनको नगर निगम की और से सम्मानित किया जायेगा ।

पंजाब पुलिस द्वारा 2 अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ खालिस्तान-समर्थकीय आतंकवादी मोड्यूल का पर्दाफाश

दोनों ही जेल में बंद केज़ैडएफ ऑपरेटिव से सम्बन्धित, बड़ा आतंकवादी हमला टला-डी.जी.पी.

चंडीगढ़/ब्यूरो

राज्य में बड़ी दहशतगर्दी की घटना को रोकते हुए पंजाब पुलिस ने खालिस्तान-समर्थकीय आतंकवादी मोड्यूल का पर्दाफाश किया है, जिसके अंतर्गत पाँच अपराधियों की मिलीभुगत के साथ काम कर रहे दो व्यक्तियों को गिरफ़्तार किया गया है, जिनका मौजूदा समय में अमृतसर जेल में बंद केज़ैडएफ ऑपरेटिव के साथ सम्बन्ध थे।

डीजीपी दिनकर गुप्ता ने बताया कि आतंकवादी हमले कर राज्य में शान्ति और सद्भावना को भंग करने की कोशिश कर रहे कुछ खालिस्तान-समर्थकीय तत्वों के नापाक मंसूबों संबंधी जानकारी के आधार पर पाकिस्तान के समर्थन वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश किया गया।

श्री गुप्ता ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद में पंजाब पुलिस ने देश के अलग-अलग हिस्सों से राज्य में दाखिल होने वाले सभी लोगों की अच्छी तरह से तलाशी और चैकिंग को यकीनी बनाने के लिए एक मुहिम चलाई, जिसके अंतर्गत हरजीत सिंह उर्फ राजू और शमशेर सिंह उर्फ शेरा, दोनों निवासियों की गाँव मियांपुर, ज़िला तरन तारन से गिरफ़्तार किया गया।

इन दोनों के पास से 6आतंकवादी हथियार (एक 9 एम.एम. पिस्तौल, चार .32 पिस्तौल और एक .32 रिवॉल्वर), 8जीवित राउंड कारतूस, कई मोबाइल फोन और एक इन्टरनेट डौंगल बरामद किए गए हैं। इन दोनों अपराधियों को ए.एस.आई. गुरदर्शन सिंह, हवलदार जोरा सिंह और पंजाब होम गार्ड प्रीतपाल सिंह समेत पुलिस द्वारा राजपुरा-सरहिन्द रोड के होटल जशन के नजदीक चैक पोस्ट पर काबू किया गया।

इन दोनों अपराधियों के ख़िलाफ़ आइपीसी की धारा 212, 216, 120 बी, आर्मज एक्ट की धारा 25 /54/59, 1959 आर/डब्ल्यू धारा 13, 16, 18, 20, के अंतर्गत गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन एक्ट, 2019 को थाना सदर में एक केस एफ.आई.आर. नं. 116तारीख़ 15.09.2020 को दर्ज की गई।

डीजीपी के अनुसार प्रारंभिक जांच के दौरान मुलज़िमों ने खुलासा किया कि उनको 4 हथियार मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से मिले हैं और 2 सफीदों, ज़िला जींद, हरियाणा से मिले हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि यह दोनों अपराधी कत्ल की कोशिश करने के मामले में वांछित थे और दोनों के विरुद्ध थाना सराए अमानत खान, ज़िला तरन तारन में आर्मज़ एक्ट के अंतर्गत मुकद्दमा भी दर्ज है।

प्रारंभिक जांच से आगे यह खुलासा हुआ है कि दोनों व्यक्ति पाँच अपराधियों, शुभदीप सिंह उर्फ शुभ निवासी चीचा, ज़िला अमृतसर जो अब अमृतसर जेल में बंद हैं, अमृतपाल सिंह बाठ निवासी मियांपुर ज़िला तरन तारन जो कत्ल के 12 अलग-अलग मामलों, कत्ल करने की कोशिश, तरन तारन और अमृतसर में आर्मज़ एक्ट के मामलों में वांछित थे, रणदीप सिंह उर्फ रोमी निवासी छेहरटा, अमृतसर, गोल्डी और आशु जो हरियाणा के ज़िला करनाल से सम्बन्धित थे, समेत नशों के मामलों में वांछित था।

शुभदीप सिंह संबंधी विवरण साझे करते हुए डीजीपी ने कहा कि वह खालिस्तान ज़िंदाबाद फोर्स (केज़ैडएफ) का एक सक्रिय आतंकवादी था, जिसको पंजाब पुलिस ने सितम्बर 2019 में अमृतसर ग्रामीण के गाँव महावा से एक चीन द्वारा बनाए गए ड्रोन की बरामदगी के दौरान गिरफ़्तार किया था। पिछले साल अप्रैल में, नेशनल इन्वैस्टीगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) ने उसके साथ अकाशदीप सिंह, बलवंत सिंह, हरभजन सिंह, बलबीर सिंह, मान सिंह, गुरदेव सिंह, साजनप्रीत सिंह और रोमनदीप सिंह समेत 8 अन्यों के ख़िलाफ़ मोहाली की एन.आई.ए. कोर्ट में दोष पत्र दाखिल किया था।

यह केस इस जानकारी के साथ जुड़ा हुआ है कि पाकिस्तान स्थित केज़ैडएफ के प्रमुख रणजीत सिंह उर्फ नीटा ने जर्मन आधारित केज़ेडएफ संचालक गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा की मिलीभुगत के साथ हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और नकली इंडियन करंसी नोट (एफआईसीएन) पाकिस्तान से ड्रोनों के द्वारा भारत में तस्करी की थी।

रणदीप सिंह उर्फ रोमी के सम्बन्ध में, श्री गुप्ता ने खुलासा किया कि वह एसएसओसी अमृतसर द्वारा कत्ल करने की कोशिश, नशा तस्करी और आर्मज़ एक्ट के अंतर्गत एफआईआर नं. 17 तारीख़ 16.12.2014 को दर्ज केस में वांछित था।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.